

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

सत्र - ३

परीक्षा : अप्रैल/मई - २०२६

विषय : आधुनिक काव्य (भाग-१) (HDS - 301)

दि.: ०४/०५/२०२६

कुल अंक : १००

समय : दो. २.०० से दो. ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'चिंता' सर्ग में अभिव्यक्त मनु की चिंता पर सविस्तार प्रकाश डालिए।
प्र. २ 'कामायनी' महाकाव्य की सर्ग-योजना को स्पष्ट कीजिए।
प्र. ३ 'कामायनी' महाकाव्य की कथावस्तु को लिखिए।
प्र. ४ 'कामायनी' महाकाव्य के कलापक्ष एवं भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।
प्र. ५ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में राम के मन में उद्भूत संशयों को विशद कीजिए।
प्र. ६ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित समस्याओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
प्र. ७ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य के पात्रों पर प्रकाश डालिए।
प्र. ८ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य के कला पक्ष एवं भाव पक्ष को स्पष्ट कीजिए।
प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

१. बनो संसृति के मूल रहस्य
तुम्हीं से फैलेगी वह बेल,
विश्व भर सौरभ से भर जाए
सुमन के खेलो सुंदर खेल।
२. हम अन्य न और कुटुंबी
हम केवल एक हमी हैं,
तुम सब मेरे अवयव हो
जिस में कुछ नहीं कमी है।
३. जहाँ अब कोई पथ नहीं,
पथांत है,
वह भी युंद्धाभिमुख।
४. राम!
मोह असत्य है,
किसी का भी हो।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. इड़ा का रूप वर्णन
२. 'कामायनी' में प्रलय-वर्णन
३. संशय की एक रात- काव्य का आरंभ और अंत
४. लक्ष्मण का चरित्र।